


8.2.21 पञ्जाबली पैसा वकील प्रतिवकी नं. 6 उपर
बल विभाग अधिवक्ता जिला बुनकर
एकला का सम्पत्ति अर्थात् किमा
वापस के लिये अन्य वापस एवं
जवाब मय गाँव, एका म
पञ्जाब डाल प्रमुख समोचना एवं


उपखण्ड अधिकारी
रामनगढ़ी

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

शोध-पत्रादि पर विचार किया गया।
उक्त में वारिसा डाए वाकफ बाद 58/13
एवं अन्य उक्त वादीगण 139/2014 को
विहो किया जा चुका है।
उक्त में लकीवाए विवेचन निम्न
उक्त है।

लकी नं. 1:- इस लकी को लिह नर्न का
वाए वारिसा पर धरा वाकफ डाए कपना बाद
विहो कर दिया, तथा कोर सत्य प्रस्तुत
नहीं की।

निदान यह लकी रिनाफ वारिसा
वय की जाती है।

लकी नम्बर 2:- इस लकी को लिह

नर्न का वाए वारिसा पर धरा/उक्त
में अन्य कन्सोलीडेटेड वाड ल. 139/14
की मन्सुबान वनाय कुफीचंड में प्रस्तुत
इलाक़े वक्त प्रमाणों की बर्दाकमा 2004-24
खाला नं. 1015 ल. प्रमाणित होता है, कि
वाकफ कुफि ग्राम जुल्मी ल. नं. 1520 व
3363 किला 2 फावा 1.18 ल पर वारिसा
46 हिस्स के कप में करे है वाकफों को
प्रमद ल घोषणा कवाय की कवमकला
मदी' से ल उम्मा बुदलोष दिया गाना

उपखण्ड अधिकारी
रामगंजमण

उच्चत उचीत नही होकर वादिया ५६ की अभिमतिवित्त लखवालेदार करी थी यह वकली इसी प्रकार अन्य वकलियाह के विवेचनाधीन तय की जाती है

वकली नम्बर ३ :- इस वकली का सिद्ध तय का भार उचित पर था उचित जता अपना-शापक पत्र प्रस्तुत किया। इस बाद एवं कन्सोली उर बाद में प्रस्तुत इमोवेण के आधार पर यह तय है, कि प्रमावेदी में वादगल इति पर उचित नं. ६ रिम्सा २१६ रुप में करी रिमांड है।


इस प्रकार उचित ६ का प्रमक के बोधना की आवश्यकता नही है वानी का वादगल इति में २१६ रिम्सा करी है तमा इसी अनुसारा वर विमानक का रकदा है।

अतः यह वकली इसी प्रकार बरक उचितवाकी नं. ६ तय की जाती है।

वकली नं. ५ :- इस वकली का सिद्ध तय का भार वादिकी पर था वादिकी जता कोई साम्य प्रस्तुत नही किया, तमा कपना बाद बिझों का किया। सामानात में यह वकली रिमानक वादिकी बरक उचित तय की जाती है।

सुपेखण्ड अधिकारी
रामगंजमण्डी

अतः गुणावयुक्त के आधार पर बाद वारिया
 खीज तथा गंडरा क्लेम एलिवाही नं० 6
 अंशतः खीजा किया जाकर यह आदेश
 दिये जाते हैं, कि वादात अकि ग्राम खुल्मी
 ख. नं. 1520, 3363 केला 2 काबा 1.18 इ. का
 राजपत्र रिकार्ड में दर्ज लिखे अनुसार एलिवा
 विभाजन किया जाता है।
 एलिवा का मसौदा R.T. Act 1955 राजपत्र
 मसौदा नियम 18-ए-21 के प्राधान्य के अनुसार
 उक्त अकि के प्राधान्य के मध्य विभाजन प्रस्ताव
 प्रस्तुत करके एलिवा डिक्री मुनिष ही
 लहीत जारी होकर 25/2/21 को प्रेष ही
 विनिय आज रि० 81221 को सट इजलास
 सुनाया गया।


 (दशरथ राम)

J. A. S.
 उपखण्ड अधिकारी
 रामगंजमण्डी

